भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **3519**
दिनांक **15** जुलाई, 2019

जैव-गैस का उत्पादन

3519. श्री गरीश भालचन्द्र बापटः
श्री वनायक भाऊराव राऊतः
कुँवर पुष्पेन्द्र संह चन्देलः
डॉ0 श्रीकांत एकनाथ शंदेः
श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या देश में **62** एमएमटी संपी ड़त बायो गैस उत्पादन की कोई अप्रयुक्त संभाव्यता है, जो बड़े पैमाने पर वा र्षक रूप से एकत्र होने वाले नगरपा लका के ठोस अप शष्ट, बायोमास अवशेष से उत्पन्न हो सकती है;
(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने कच्चे तेल के आयात से उत्पन्न व भन्न बायोमास/अप शष्ट स्रोतों के प्रबंधन के माध्यम से संपी ड़त बायो गैस उत्पादन की क्षमता के दोहन के लए कोई नई पहल की है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने पूरे देश में **5000** सीबीजी उत्पादन संयंत्रों को आरंभ करने के लए संभा वत उद्य मयों से रु च की अ भव्यक्ति आमंत्रित की है;
(ङ) यदि हां, तो अब तक उद्य मयों की प्रति क्रया क्या है;
(च) नगरपा लका के ठोस अप शष्ट, बायोमास अवशेष से अब तक उत्पादित होने वाली संपी ड़त बायो गैस की मात्रा कतनी है; और
(छ) इससे कच्चे तेल के आयात में कतनी कमी आई है?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क): बायोमास और जै वक अप शष्ट स्रोतों जैसे भूसी, कृ ष परालो, कृ ष अवशेष, पशुओं का गोबर, खोई, डस्टीलरी स्पेंट वॉश, नगरपा लका के ठोस अप शष्ट, अप शष्ट जल शोधन संयंत्र का कचरा आदि में बायोगैस उत्पादन की भारी संभावना मौजूद होती है।

(ख) से (छ): सरकार बायोमास और जै वक अप शष्ट का प्रभावी प्रबंधन करने के उद्देश्य से एक वैकल्पिक स्वच्छ परिवहन ईंधन के रूप में संपी डत बायोगैस (सीबीजी) के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। इस दिशा में, तेल पीएसयूज ने दिनांक 1 अक्तूबर, 2018 को ''कफायती परिवहन के लए दीर्घका लक वकल्प'' (सतत) पहल की शुरूआत की है। सतत पहलों से अप शष्ट भराव क्षेत्रों से होने वाले उत्सर्जनों, कृ ष परालो को जलाने से होने वाली पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने और तेल/गैस आयात पर निर्भरता को कम करने की संभावना है। जून, 2019 तक, तेल वपणन कंपनियों और गैस वपणन कंपनियों ने सीबीजी के उत्पादन और आपूर्ति हेतु 344 संयंत्रों के लए आशय पत्र (एलओआई) प्रदान कए हैं।

****